जगद्गुरु

श्री शंकराचार्य

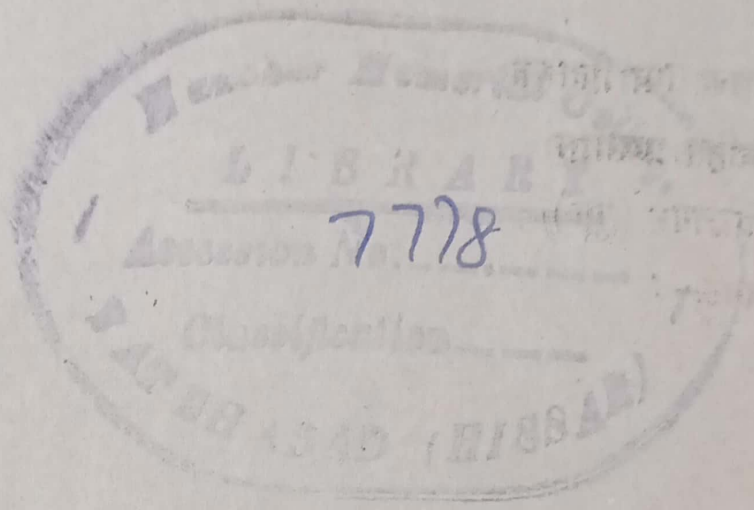

दीनदयालु उपाध्याय

श्री शंकराचार्य जयन्ती, सं० २०२८ वि०

अनुक्रमणिका

१—अवतरण	...	...	१
२—बाल्यकाल	...	...	५
३—आकांक्षा	...	...	१३
४—ध्येय पथ	...	...	१८
५—गुरु के सान्निध्य में	...	...	२४
६—शिक्षा : माया और संसार	...	...	३१
७—बंधन से मुक्ति	...	...	३८
८—जनजीवन का साक्षात्कार	...	...	४४
९—दिग्विजय-यात्रा	...	...	५४
१०—प्रयाग में	...	...	६२
११—कुमारिल भट्ट	...	...	६८
१२—मण्डन मिश्र से शास्त्रार्थ	...	...	७३
१३—भारती का समाधान	...	...	८५
१४—विविधता में एकता	...	...	९१
१५—राष्ट्र, धर्म और सम्प्रदाय	...	...	१००
१६—हिमालय की चोटियों पर	...	...	१०७
१७—ध्येय-सिद्धि	...	...	१११
१८—महत्तत्त्व में विलीन	...	...	११६

CamScanner